B.Com. (HONS)
P3 - A/cs & finance group.
Paper - VI
Cost & Management Accounting.
Date- 25.07.2020

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय राजनगर
(मधुबनी)

UNIT - II
TOPIC - RECONCILIATION STATEMENT

लागत लेखों एवं वित्तीय लेखों द्वारा प्रदर्शित परिणामों का मिलान करने हेतु जो विवरण पत्र बनाया जाता है, उसे समाधान विवरण कहा जाता है। इसे तैयार करते समय लागत लेखांकन द्वारा प्रदर्शित लाभ या वित्तीय लेखांकन द्वारा प्रदर्शित लाभ को आधार माना जा सकता है। हालांकि, लागत लेखांकन के लाभ को आधार मानकर ही Reconciliation statement तैयार किया जाना अधिक उपयुक्त होता है, क्योंकि इससे लागत लेखे के अनुमानित लाभ में समायोजन करके वित्तीय लेखे के शुद्ध लाभ तक पहुँचा जा सकता है।

समाधान विवरण तैयार करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है :—

(i) लाभ में अंतर के कारणों को जानना।
(ii) लागत लेखांकन लाभ से समाधान की क्रिया प्रारंभ करना।
(iii) अंतर के प्रत्येक कारण का लागत लेखों के परिणामों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
(iv) अंतर की राशि का समायोजन कर परिणामों से मिलान करना।

समाधान विवरण का प्रारूप

समाधान विवरण का प्रारूप निम्नानुसार होता है :—

Reconciliation Statement
For the year ending.....

Particulars	Amount ₹.	Amount ₹.
Profit as per Cost Accounts:—		
ADD:—		
(i) Over-charged expenses in cost A/cs	x	
(ii) Over valuation of opening stock in cost A/c.	x	
(iii) Under-valuation of closing stock in cost A/c.	x	
(iv) Items of expenses recorded in cost A/cs only.	x	
(v) Income not included in cost A/cs	x	
(vi) Depreciation over-charged in cost Accounts	x	x
Less:—		
(i) Under-charged expenses in cost A/cs	x	
(ii) Under-valuation of opening stock in cost Accounts	x	
(iii) Over-valuation of closing stock in cost A/cs	x	
(iv) Expenses or losses not charged in cost A/cs	x	
(v) Items of income recorded in cost A/cs only	x	x
Profit as per financial Accounts	x	x

नोट:- जब लागत लेखे के लाभ को आधार मानकर समाधान विवरण बनाया जाता है तब उक्त प्रारूप का प्रयोग किया जायेगा।

ठीक इसके विपरीत यदि वित्तीय लेखों के लाभ को आधार मानकर समाधान विवरण तैयार किया जाता है तो उपरोक्त वर्णित प्रारूप में जोड़े वाले मद को घटा दिया जायेगा तथा घटाने वाले मद को जोड़ दिया जायेगा।

लागत लेखों तथा वित्तीय लेखों द्वारा प्रदर्शित परिणामों का मिलान करने के लिये समाधान विवरण के स्थान पर समाधान खाता (Reconciliation Account) भी तैयार किया जा सकता है। इसके क्रेडिट पक्ष में लागत लेखों द्वारा प्रदर्शित लाभ एवं उन सभी मदों को लिखा जाता है जो लागत लेखों द्वारा प्रदर्शित लाभ में जोड़ी जाती हैं। इसके विपरीत डेबिट पक्ष में उन सभी मदों को लिखा जाता है, जिन्हें लागत लेखों द्वारा प्रदर्शित लाभ में से घटाया जाता है। इसके बाद डेबिट पक्ष में जो शेष आता है वह वित्तीय लेखों द्वारा प्रदर्शित लाभ के बराबर होता है।

चूँकि इसका स्वरूप खाते के समान होता है, परन्तु रचना दोहरा लेखा सिद्धांत पर आधारित नहीं होता है, इसलिए इसे स्मरणार्थ समाधान खाता (Memorandum Reconciliation Account) के नाम से जाना जाता है। इस खाते का प्रारूप निम्न प्रकार का होता है :→

Memorandum Reconciliation Account

Dr. Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
		By Profit as per cost A/c	x
To Items of expenses under recovered in cost A/cs	x	By over-recovery of expenses in cost A/cs	x
To Expenses not recorded in cost A/cs	x	By Income not recorded in cost A/cs	x
To over-valuation of closing stock in cost A/c.	x	By over-valuation of opening stock	x
To Under-valuation of opening stock in cost A/cs	x	By Under-valuation of closing stock in cost A/cs.	x
To Profit as per financial Accounts.	xxx		
₹	x	₹	x